संस्कृतगीतिकाव्य के उद्‌भव और विकास का उल्लेख करते हुए बिल्हण एवं अमरुक के गीतिकाव्यों पर टिप्पणी लिखिए।

Discussing the origin of Sanskrit Geetikavyas and write a note on the Geetikavyasof Bilhana and Amaruka.

munotes.in

[This question paper contains 8 printed pages.]

30 NOV 2022

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 4022

C

30 NOV 2022

Unique Paper Code	:	12131101
Name of the Paper	:	Classical Sanskrit Literature (Poetry)
Name of the Course	:	**B.A. (Hons) Sanskrit**
Semester	:	I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Maitreyi College ★ Chanakya Puri, New Delhi-110021 ★ LIBRARY

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. (क) निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : (3)

Translate the following :

तं सन्तःश्रोतुमर्हन्ति सदसद्व्यक्तिहेतवः।
हेम्नःसंलक्ष्यते ह्यग्नौ विशुद्धिः श्यामिकापि वा॥

अथवा / OR

तस्य संवृतमन्त्रस्य गूढाकारेङ्गितस्य च।
फलानुमेयाः प्रारम्भाः संस्काराः प्राक्तना इव॥

(ख) निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (6)

Explain the following :

वागर्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये ।
जगतः पितरौ वन्दे पार्वतीपरमेश्वरौ ॥

अथवा / OR

Describe the salient featuresof Parvati's character on the basis of Kumarsambhava.

(ग) रघुवंशी राजाओं के सामान्य गुणों पर टिप्पणी लिखिए ।

Write a note on common traits of the Kings of Raghuvansha.

(घ) भर्तृहरि के अनुसार "मूर्ख-पद्धति" पर निबन्ध लिखिए ।

Write an essay on the "मूर्ख-पद्धति" according to Bhartrihari.

(ङ) भारवि की काव्यशैली पर लेख लिखिए ।

Write a note on the poetic style of Bharavi.

7. महाकाव्य के उद्भव का उल्लेख करते हुए भट्टि एवं माघ के महाकाव्यों पर टिप्पणी लिखिए । (12)

Discussing the origin of Sanskrit mahakavyas write a note on the Mahakavyas of Bhatti and Magha.

अथवा / OR

munotes.in

अथवा / OR

केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्ज्वलाः,
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता मूर्धजाः ।
वाण्येका समलंकरोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते,
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम् ॥

5. किन्हीं **चार** पर व्याकरण सम्बन्धी टिप्पणी लिखिए : (4×2=8)

Write grammatical notes on any **four** of the following :

हेतवः, जगतः, चरन्ति, प्रकृत्या, भ्रमरस्य, आददे, भवतः, समीहते ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (8×2=16)

Answer any **two** of the following questions :

(क) किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए ।

Write the gist of first canto of kiratarjuniyam.

(ख) कुमारसम्भव के पंचम सर्ग के आधार पर पार्वती के चरित्र की विशेषताएँ बताइए ।

रेखामात्रमपि क्षुण्णादामनोर्वर्त्मनः परम्।
न व्यतीयुः प्रजास्तस्य नियन्तुर्नेमिवृत्तयः॥

2. (क) निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : (4)

Translate the following :

यथा प्रसिद्धैर्मधुरं शिरोरुहै :जटाभिरप्येवमभूत्तदाननम्।
न षट्पदश्रेणिभिरेव पंकजं सशैवलासंगमपिप्रकाशते।।

अथवा / OR

क्लमं ययौ कन्दुकलीलयापि या तया मुनीनां चरितं व्यगाह्यत।
ध्रुवं वपुः काञ्चनपद्मनिर्मितं मृदु प्रकृत्या च ससारमेव च।।

(ख) निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (6)

Explain the following :

मनीषिताःसन्ति गृहेषु देवताः तप :क्व वत्से क्व च तावकं वपुः।
पदं सहेत भ्रमरस्य पेलवं शिरीषपुष्पं न पुनःपतत्रिणः।।

अथवा / OR

munotes.in

कृताभिषेकां हुतजातवेदसं त्वगुत्तरासंगवतीमधीतिनीम् ।
दिदृक्षवस्तामृषयोऽभ्युपागमन्न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते।।

3. (क) निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : (4)

Translate the following :

द्विषां विघाताय विधातुमिच्छतो रहस्यनुज्ञामधिगम्यभूभृतः।
ससौष्ठवौदार्यविशेषशालिनीं विनिश्चितार्थामितिवाचमाददे।।

अथवा / OR

उदारकीर्तेरुदयं दयावतः प्रशान्तबाधं दिशतोऽभिरक्षया।
स्वयं प्रदुग्धेऽस्यगुणैरुपस्तुतावसूपमानस्य वसूनि मेदिनी।।

(ख) निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (6)

Explain the following :

विशंकमानो भवतःपराभवं नृपासनस्थोऽपि वनाधिवासिनः।
दुरोदरच्छद्मजितां समीहतेन येन जेतुं जगतीं सुयोधनः।।

अथवा / OR

प्रलीनभूपालमपि स्थिरायति प्रशासदावारिधिमण्डलं भुवः ।
स चिन्तयत्येव भियस्त्वदेष्यती-रहो दुरन्ता बलवद्विरोधिता ।।

4. (क) निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : (4)

Translate the following :

स्वायत्तमेकान्तगुणं विधात्रा विनिर्मितं छादनमज्ञतायाः।
विशेषतःसर्वविदां समाजे विभूषणं मौनमपण्डितानाम्।।

अथवा / OR

येषां न विद्या न तपोनदानं ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।
ते मर्त्यलोके भुवि भारभूताः मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति ।।

(ख) निम्नलिखित की संस्कृत में व्याख्या कीजिए : (6)

Explain the following in **Sanskrit** :

शिरः शार्वं स्वर्गात् पशुपतिशिरस्तः क्षितिधरम्,
महीध्रादुत्तुंगादवनिमवन्तेश्वापि जलधिम् ।
अधोऽधो गङ्गेयं पदमुपगता स्तोकमथवा,
विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः ।।

munotes.in